

This question paper contains 3 printed pages]

S—365—2018

FACULTY OF ARTS

B.A. (First Year) (First Semester) EXAMINATION

MARCH/APRIL, 2018

HINDI

Paper-I

(Katha Sahitya)

(कथा साहित्य)

(MCQ+Theory)

(Wednesday, 11-4-2018)

Time : 10.00 a.m. to 12.00 noon

Time—2 Hours

Maximum Marks—40

N.B. :— (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों के आगे अंक दिए गए हैं।

(MCQ)

1. निम्नलिखित बहुपर्यायी प्रश्नों (MCQs) के उत्तर दीजिए : 10

(i) प्रांत में तबलीगवालों ने तूफान मचा रखा है।

- (A) मद्रास (B) बंगाल
(C) महाराष्ट्र (D) कर्नाटक

(ii) 'मुक्तिपर्व' किस प्रकार का उपन्यास है ?

- (A) ऐतिहासिक उपन्यास (B) आर्थिक उपन्यास
(C) सामाजिक उपन्यास (D) सांस्कृतिक उपन्यास

(iii) कमलेश्वर का बचपन का नाम क्या था ?

- (A) विलास (B) कैलाश
(C) केशव (D) शंकर

(iv) सुंदरी और सुनीत के बीच कौनसा रिश्ता है ?

- (A) पति-पत्नी (B) भाई-बहन
(C) माँ-बेटा (D) सास-ससुर

P.T.O.

- (v) उपन्यास के कितने तत्व हैं ?
- (A) चार (B) छह
(C) पाँच (D) सात
- (vi) 'यदि असुविधा न हो, तो क्या कल भी मार्ग दिखाने आओगी ?' यह किसने किससे कहा ?
- (A) युवती ने कवि से (B) लेखक ने युवती से
(C) कवि ने युवती से (D) चम्पा ने बुधगुप्त से
- (vii) मास्टरजी की पत्नी का नाम क्या था ?
- (A) छमिया (B) दमयंती
(C) सुंदरी (D) सुरमती
- (viii) 'मैला आँचल' उपन्यास के रचनाकार हैं।
- (A) प्रेमचंद (B) यशपाल
(C) फणीश्वरनाथ 'रेणु' (D) जयशंकर प्रसाद
- (ix) मालती के पति का नाम है।
- (A) लीलाधर (B) महेश्वर
(C) सुशील (D) सुधीर
- (x) नटवा कौसा व्यवसाय करता था ?
- (A) होटल (B) रिक्शा चलाने का
(C) गैरेज (D) दुकान

(Theory)

2. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

5

“मुझे गुलाम बने रहने की आदत नहीं नवाबसाहाब। वैसे भी देश अब आजाद हो गया है। अब न कोई किसी का गुलाम है और न कोई किसी का मालिक। सब बरबबर हैं।”

अथवा

“मालती एक बिल्कुल अनैच्छिक, अनुभूतिहीन, नीरस, यन्त्रवत्—वह भी थके हुए यन्त्र के—से स्वर में कह रही है— चार बज गए

3. 'मुक्तिपर्व' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए। 10

अथवा

'मुक्तिपर्व' उपन्यास के आधार पर रामलाल की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

4. 'मंत्र(1)' कहानी मानवीय मूल्यों की स्थापना करती है, अपने शब्दों में लिखिए। 10

अथवा

'आखिरी सामान' कहानी का आशय स्पष्ट कीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए : 5

प्रेमचंदपूर्व हिन्दी उपन्यास

अथवा

उपन्यास विधा : पात्र एवं चरित्र-चित्रण।